8. सर्वनाम

सर्वनाम यानी 'सबके लिए नाम' या 'सबका नाम'। संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। एक ही शब्द के बार-बार प्रयोग से भाषा की सुंदरता नष्ट होती है। भाषा के सौंदर्य को बचाए रखने के लिए सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है। इसके प्रयोग से भाषा सहज और स्पष्ट हो जाती है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से सर्वनाम की परिभाषा बताने को कहें।
- ❖ पृष्ठ 50 पर दिए गद्यांश को पढ़वाएँ तथा उनमें आए रंगीन सर्वनाम शब्दों के बारे में बताएँ।
- ❖ सर्वनाम की उपयोगिता तथा विशेषता के बारे में चर्चा करें।
- ❖ सर्वनाम के भेद छात्रों से पूछें, तदुपरांत स्वयं उन्हें बताएँ।
- ❖ पृष्ठ 51-53 पर दिए सर्वनाम भेदों को एक-एक करके समझाएँ।
- ❖ पुरुषवाचक सर्वनाम के तीनों भेदों का परिचय दें।
- ❖ पूछें, उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम किनके लिए प्रयोग होते हैं।
- ❖ बीच-बीच में सर्वनाम के भेदों के उदाहरणों में से सर्वनाम शब्द बताने को कहें।
- ❖ सर्वनाम शब्दों का विशेष प्रयोग बताएँ। ध्यान दिलाएँ कि 'आप' सर्वनाम का प्रयोग मध्यमपुरुष और अन्यपुरुष दोनों में होता है। यह आदर सूचक सर्वनाम है। (पृष्ठ 51)
- ❖ सर्वनाम शब्दों की रूप रचना के बारे में समझाते हुए पृष्ठ 53-55 पर दिए सर्वनाम भेदों के कारक के साथ एकवचन-बहुवचन रूप पढ़वाएँ।
- ❖ प्रत्येक छात्र को अभिव्यक्ति का अवसर दें।
- ❖ अभ्यास करवाने में यथोचित सहायता करें।